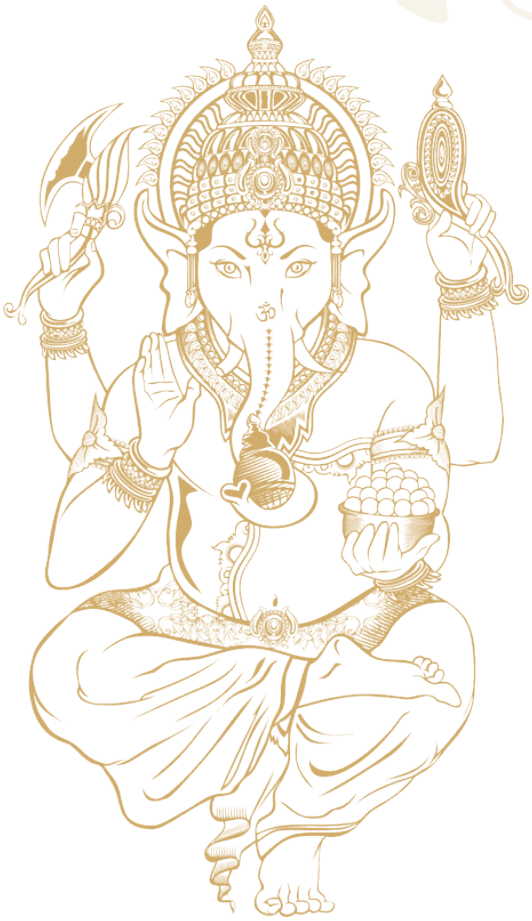

Mr.r

Ms.l

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120333801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120333801 Date: 26/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
9-10/04/1996	जन्म तिथि	17/05/2002
मंगल-बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:30:00	जन्म समय	15:10:00 घंटे
घटी 56:09:59	जन्म समय(घटी)	24:19:42 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Bilaspur
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:02:00	सूर्योदय	05:26:07
18:47:54	सूर्यास्त	19:12:40
23:48:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:07
कुम्भ	लग्न	कन्या
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
धनु	राशि	कर्क
गुरु	राशि-स्वामी	चन्द्र
मूल	नक्षत्र	पुनर्वसु
केतु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	4
परिघ	योग	गण्ड
विष्टि	करण	बालव
भी-भीमा	जन्म नामाक्षर	ही-हिना
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
श्वान	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 0वर्ष 2मा 4दि		21:52:12	कुंभ	लग्न	कन्या	11:54:24	गुरु 2वर्ष 2मा 10दि	
चन्द्र		26:33:28	मीन	सूर्य	वृष	02:25:51	बुध	
15/06/2022		12:59:33	धनु	चंद्र	कर्क	01:30:17	27/07/2023	
14/06/2032		18:50:13	मीन	मंगल	वृष	28:46:57	27/07/2040	
चन्द्र	15/04/2023	09:44:35	मेष	बुध व	वृष	15:59:50	बुध	23/12/2025
मंगल	14/11/2023	22:54:37	धनु	गुरु	मिथु	19:52:11	केतु	20/12/2026
राहु	15/05/2025	12:05:45	वृष	शुक्र	मिथु	02:19:25	शुक्र	20/10/2029
गुरु	14/09/2026	06:30:15	मीन	शनि	वृष	21:36:24	सूर्य	27/08/2030
शनि	14/04/2028	23:19:15	कन्या व	राहु	वृष	24:03:32	चन्द्र	26/01/2032
बुध	14/09/2029	23:19:15	मीन व	केतु	वृश्चि	24:03:32	मंगल	22/01/2033
केतु	15/04/2030	10:26:02	मक	हर्ष	कुंभ	04:50:16	राहु	12/08/2035
शुक्र	14/12/2031	03:50:32	मक	नेप व	मक	17:05:30	गुरु	17/11/2037
सूर्य	14/06/2032	08:58:24	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	22:55:59	शनि	27/07/2040

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:22 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:07

लग्न-चलित

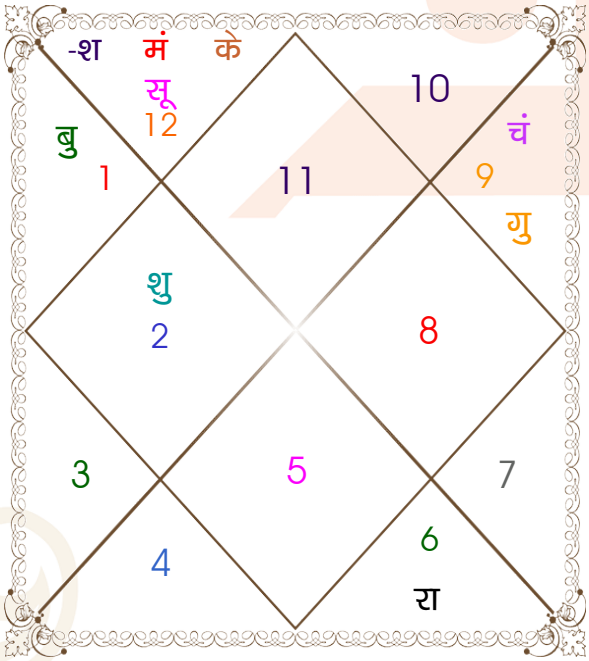

लग्न-चलित

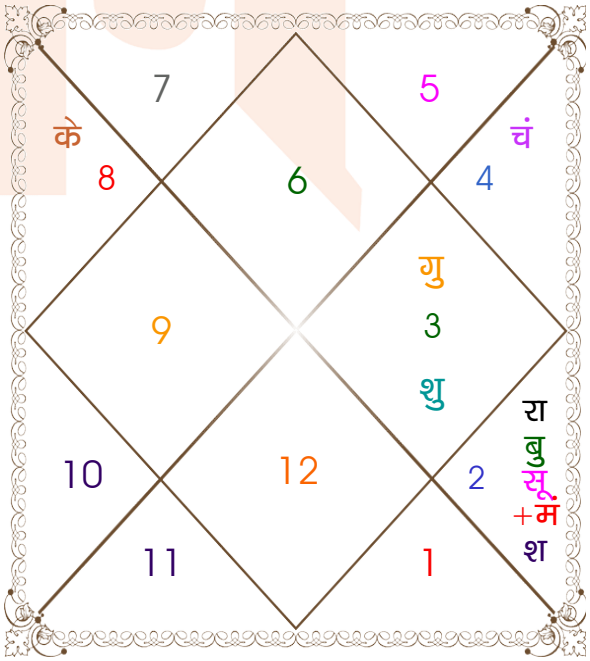

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	8.50		

कुल : **8.5 / 36**

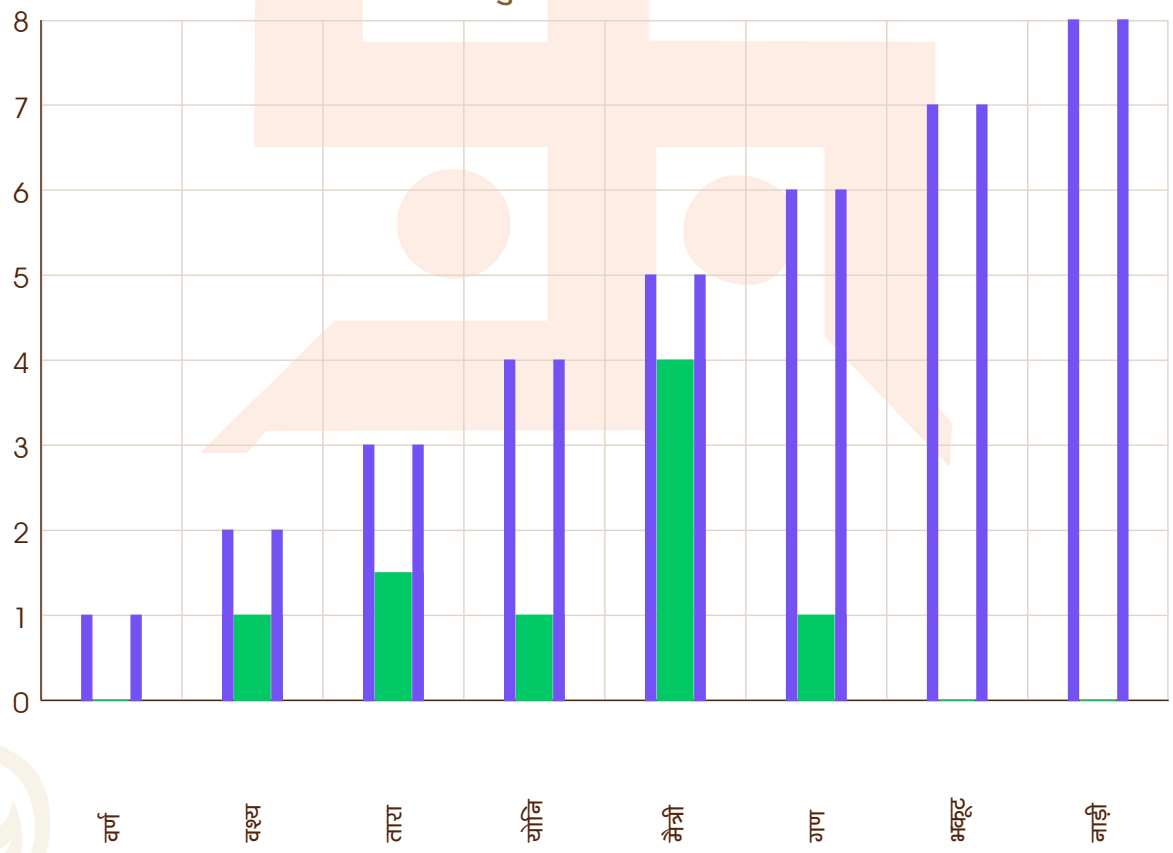

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr.r का वर्ग मूषक है तथा Ms.l का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.r और Ms.l का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.r मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms.l मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr.r तथा Ms.l में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.r का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.l का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Ms.l हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना Mr.r एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

Mr.r का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.l का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Mr.r एवं Ms.l दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Mr.r Ms.l पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Mr.r हमेश Ms.l के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Mr.r की तारा क्षेम तथा Ms.l की तारा वध है। Ms.l की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr.r एवं Ms.l दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms.l अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Mr.r की योनि श्वान है तथा Ms.l की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.r का राशि स्वामी Ms.l के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Ms.l का राशि स्वामी Mr.r के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Mr.r का गण राक्षस तथा Ms.l का गण देव है। अर्थात Ms.l का गण Mr.r के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Mr.r निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Mr.r का Ms.l के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Ms.l हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Mr.r से Ms.l की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ms.l से Mr.r की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Mr.r एवं Ms.l दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Mr.r शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Ms.l बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Mr.r की नाड़ी आद्य है तथा Ms.l की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी

समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.r एवं Ms.l दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.r की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा Ms.l की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। अग्नि एवं जल में नैसर्गिक शत्रुता होने के कारण Mr.r और Ms.l के परस्पर दाम्पत्य संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन में कठिनाइयां रहेंगी अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा ।

Mr.r की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms.l की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर सम एवं मित्र राशि में स्थित हैं। अतः इसके प्रभाव से Mr.r और Ms.l के परस्पर संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण के भाव का भी समय समय पर प्रदर्शन करेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुख में भी एक दूसरे को हार्दिक सहयोग प्रदान करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख का भाव बना रहेगा।

Mr.r और Ms.l की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह षडाष्टक भकूट दोष दाम्पत्य जीवन के लिए अशुभ कहलाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा मतभेद एवं विरोध के भाव में वृद्धि होगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। एक दूसरे के प्रति Mr.r और Ms.l उपेक्षा का भाव रखेंगे तथा सुख दुःख में सहयोग कम ही प्रदान करेंगे। अतः वैवाहिक जीवन में सुख की अल्पता रहेगी। यदि Mr.r और Ms.l सामंजस्य एवं बुद्धिमता पूर्वक कार्य करें तो दुष्प्रभावों में कमी आ सकती है।

Mr.r का वश्य मानव तथा Ms.l का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी। साथ ही काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Mr.r का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.l का वर्ण ब्राह्मण है। अतः Mr.r पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे परन्तु Ms.l की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में प्रवृत रहेगी। अतः कार्य क्षमता में अंतर से Mr.r और Ms.l को परेशानी का सामना करना पड़े सकता है।

धन

Mr.r और Ms.l दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य

से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.r और Ms.l दोनों की आद्य नाड़ी है। अतः इसके प्रभाव से वे नाड़ी दोष से पीड़ित होंगे। यद्यपि मंगल का किसी के भी स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है तथापि इस दोष के प्रभाव से Mr.r और Ms.l शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति कर सकते हैं। यदि ऐसी परिस्थिति में मिलान किया गया तो Ms.l के प्रभाव से Mr.r का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसका दुष्प्रभाव Mr.r की अस्थियों पर विशेष होगा फलतः किसी अस्थि रोग से वे कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही पैर या घुटने पर प्रभावित होगा। अतः ऐसी स्थिति में मिलान उत्तम नहीं रहेगा तथा इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.r और Ms.l का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.r और Ms.l के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.l के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.l को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.l को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.r और Ms.l सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.r और Ms.l का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.l के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.l के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.l अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं

सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.l के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.r की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr.r सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr.r ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr.r के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।